

डॉ. मार्व विल्सन, भविष्यवक्ता, सत्र 16, होशे, भाग 3

© 2024 मार्व विल्सन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. मार्व विल्सन द्वारा भविष्यवक्ताओं पर दी गई शिक्षा है। यह सत्र 16, होशे, भाग 3 है।

ठीक है, आइए प्रार्थना करें और शुरू करें।

प्रभु, हर दिन आपका दिन है और यह दिन आपने ही बनाया है। हमारे पास आज है, आपका वचन हमें आज कार्य करने की याद दिलाता है क्योंकि कल अनिश्चित है। इसलिए, हम प्रार्थना करते हैं कि आज हमारे हिसाब-किताब आपके साथ कम हों, कि हम उन चीजों से निपटें जिनसे हमें निपटना है, ईमानदारी के साथ।

आपका धन्यवाद कि आप हमारे साथ दयालु और सहनशील परमेश्वर हैं। हम प्रार्थना करते हैं कि आपके साथ हमारा रिश्ता प्रतिदिन संगति में रहे। हमें उन समयों के लिए क्षमा करें जब हम भटक जाते हैं और आपका अनुसरण नहीं करते हैं।

हमें यह अनुदान दें कि हम अपने जीवन के उतार-चढ़ाव और अंतिम पड़ावों के बीच भी, हमारे प्रति परमेश्वर के प्रेम के बारे में कुछ सीखें। हम याद रखेंगे कि परमेश्वर हमेशा हमारा पीछा कर रहा है। वह कभी हमें जाने नहीं देता और कभी हार नहीं मानता।

होशे और गोमेर से सीखने में हमारी मदद करें क्योंकि आप होशे हैं और हम गोमेर हैं। हम प्रार्थना करते हैं कि जैसे-जैसे हम आपके प्यार को नए सिरे से समझेंगे, हम हर दिन जवाबदेही और वफ़ादारी की भावना के लिए और अधिक बुलाए जाएँगे, मैं हमारे प्रभु मसीह के माध्यम से प्रार्थना करता हूँ। आमीन।

याद दिला दूँ, सोमवार को हम सब मिलकर एक दूसरे से घुल-मिलकर समय बिताएंगे। उसे यह पसंद नहीं है। वह घबरा रही है।

हम पाठ्यक्रम में बताए गए सभी पाठों को कवर करेंगे। निश्चित रूप से बाइबिल के पाठों पर जोर दिया जाएगा, खासकर उन पर जिनके बारे में हमने कक्षा में बात की है। कुछ उद्देश्य होंगे, कुछ वाक्यों में कुछ परिभाषाएँ होंगी।

कुछ छोटे निबंध होंगे और एक लंबा निबंध आपको पूरा समय लेगा। लेकिन मुख्य जोर परिचयात्मक सामग्रियों के साथ-साथ योना, आमोस और होशे पर है। अब, पिछली बार मैंने विवाह के बारे में वाचा के रूप में बात की थी और उल्लेख किया था कि अध्याय 2 में जो कुछ भी है वह यहूदी विवाह और विवाह परंपरा के इतिहास में इतना महत्वपूर्ण है कि इस अंश का वास्तव में पारंपरिक यहूदी विवाह समारोहों में उल्लेख किया जाता है।

मुझे याद है कि हमने इज़रायल में एक रूढ़िवादी यहूदी विवाह को खुले में फिल्माया था। बड़े छत्र के नीचे खुले में विवाह करना हमेशा एक अतिरिक्त मिट्ज्वा होता है। मुझे याद है कि मैंने रब्बी को यह सूत्र सुनाते हुए सुना था।

स्थायी संबंध के लिए ये शब्द, जैसा कि परमेश्वर कहता है, मैं तुम्हें हमेशा के लिए अपने साथ ब्याह दूंगा। और यहाँ इन विभिन्न शब्दों पर जोर दिया गया है, धार्मिकता, मिशपात या न्याय, निष्पक्षता और साझा करने की भावना, जो न केवल मेरे लिए बल्कि दूसरे के लिए भी सही है, जैसा कि आरंभिक रूप से पता चलता है। बाइबल में मिशपात हमेशा दो-तरफ़ा सड़क है।

यह बात मायने नहीं रखती कि मैं किस चीज का हकदार हूँ, मेरे लिए क्या उचित और न्यायसंगत है। मुझे मेरा हक दो, यह बात मायने रखती है कि दूसरे व्यक्ति के लिए क्या उचित है। न्याय में पारस्परिकता शामिल है।

यह बात हम ध्यान में रखना चाहते हैं। होशे में हेसेद आपके लिए एक महत्वपूर्ण शब्द है। हेसेद का मतलब सिर्फ़ प्यार नहीं है।

जब हेसेद का प्रयोग किया जाता है, और यह हिब्रू बाइबिल में 250 से अधिक बार आता है, जब आप उन सभी संदर्भों का अध्ययन करते हैं, तो यह सब दो मुख्य चीजों तक सीमित हो जाता है। अब इसका अलग-अलग तरीकों से अनुवाद किया जा सकता है। प्रेमपूर्ण दयालुता, दयालुता, यहाँ तक कि दूसरों के प्रति दयालु व्यवहार।

लेकिन दो चीजें हैं जो वास्तव में मायने रखती हैं, एक, वाचा का संदर्भ। और इसलिए जब हेसेद का उपयोग किया जाता है, तो इसका उपयोग वाचा के रिश्ते के संदर्भ में किया जाता है। और फिर दूसरी बात, वाचा के उस संदर्भ के साथ, दृढ़ निष्ठा, दृढ़ निष्ठा का यह विचार है।

जब आप हेसेद करते हैं, तो यही कारण है कि RSV इसका अनुवाद प्रेम नहीं करता है। होशे की पुस्तक में, RSV इसका अनुवाद दृढ़ प्रेम करता है। अब वह छोटा शब्द दृढ़, जहाँ अन्य अनुवाद वफादार प्रेम, दृढ़, वफादार प्रेम, विश्वासयोग्य प्रेम हो सकते हैं।

इसलिए वाचा सम्बन्ध के प्रति दृढ़ निष्ठा का विचार ही निहित है। इसलिए हेसेद वाचा से बंधा हुआ है, और इस्राएल के लिए, हेसेद परमेश्वर की हेसेद का उत्तर था। और वाचा के कारण, अंत में इसे तोड़ा नहीं जा सकता, या पूरी तरह से तोड़ा नहीं जा सकता, क्योंकि वाचा बनाने के लिए दो लोगों की आवश्यकता होती है, और इसे तोड़ने के लिए भी दो लोगों की आवश्यकता होती है।

और मुझे हमेशा छात्रों को यह याद दिलाना पड़ता है कि कभी-कभी आपको अपने साथी विश्वासियों में जो कुछ भी दिखता है, वह आपको पसंद नहीं आता, उनके जीवनवृत्त के संदर्भ में, लंबे समय तक। यही बात इज़राइल के साथ भी है। लेकिन जब किसी का ब्रह्मांड के राजा के साथ एक स्पष्ट, व्यक्तिगत, वाचाबद्ध संबंध होता है, तो अंततः कोई भी उस बंधन को नहीं तोड़ सकता।

हम अंत तक भाग सकते हैं, हम मूर्खता और अन्य कामों के कारण परमेश्वर की आशीषों को खो सकते हैं, लेकिन यह वह प्रेम है जो हमें जाने नहीं देगा। परमेश्वर इस्राएल को थामे हुए है, इस्राएल की बेवफ़ाई के बावजूद। यदि परमेश्वर वाचा को रद्द करना चाहता, तो वह बहुत पहले ही ऐसा कर सकता था।

लेकिन परमेश्वर इस्राएल के लिए दृढ़ है क्योंकि इस्राएल के लिए उसके उद्देश्य इस्राएल की वफ़ादारी बनाए रखने से भी महान हैं। परमेश्वर एक वफ़ादार प्रेम है। वह हेसेड का परमेश्वर है, जो रहमीम, करुणा दिखाता है, और अंत में, यह प्रतिबद्धता दृढ़ होनी चाहिए।

यह अटल होना चाहिए। यह निरंतर है, और यही इमुनाह का अर्थ है। निरंतर।

स्थिर। हिब्रू बाइबिल में, स्तंभ के लिए शब्द इसी मूल से आया है। यह वह है जो आपको सहारा देता है।

रूथ की पुस्तक में, इस मूल से आने वाला एक और शब्द, अमन, का अनुवाद नर्स के रूप में किया गया है। कोई ऐसा व्यक्ति जो नवजात शिशु को सहारा देता है, आज्ञाकारी। और उस बच्चे को सहारा और पोषण दिया जाता है, और इसलिए यह एक ऐसा शब्द है जो हमें दृढ़ता और समर्थन की बात करता है।

और यही बात होशे के विवाह के बारे में सच थी, और यहोवा के अपने लोगों के साथ रिश्ते के बारे में भी सच थी। ठीक है, तो हमारे पास उस समारोह के हिस्से के रूप में ये शब्द हैं। अब, अध्याय 1-3 जीवनी संबंधी हैं, लेकिन मैंने कहा कि गोमेर के व्यवहार, यिज़्रैल, लो-रूहामा और लो-अम्मी के जन्म के माध्यम से, उनमें से प्रत्येक उत्तरी राज्य और उसके भगवान के बीच उस विच्छेदन संबंध का संदेश भेजता है।

निर्वासन आएगा। यह स्थायी निर्वासन नहीं होगा क्योंकि अध्याय 1 के अंत में, बहाली का वादा है, और परमेश्वर, एक बार फिर, उसका दृढ़ प्रेम कायम है। अध्याय 3 में, हम देखते हैं कि भविष्यवक्ता दास को वापस लाने के लिए, एक बार फिर, अपने खोए हुए और भटके हुए जीवनसाथी को खोजने के लिए जा रहा है।

यह इज़राइल है। भगवान कभी हार नहीं मानते। और इसलिए, हमारे पास यहाँ एक उदाहरण है कि गोयल क्या करते हैं।

हमने पहले भी गोयल के बारे में बात की है। गोयल, GOEL, का मतलब है मुक्ति दिलाना। लेकिन हिब्रू बाइबिल में इसका असली मतलब है किसी को आज़ाद कराने या किसी के हित में काम करने के लिए प्रयास करना या कीमत चुकाना।

इसका यही मतलब है। कीमत चुकाना, प्रयास करना, किसी को किसी तरह के बंधन से मुक्त करना। यही हम अपने अंतरधार्मिक सेडर में साथ मिलकर करेंगे।

यह मिस्र से मुक्ति है। अब, उस मामले में, परमेश्वर स्वयं मुक्तिदाता है जो अपने लोगों को स्वतंत्र रूप से और कृपापूर्वक मुक्त करता है। इस विशेष मामले में, हम वास्तव में किसी को गोमेर को वापस खरीदने के लिए आते हुए देखते हैं।

और इसलिए, अध्याय 3 में परमेश्वर कहता है, अपनी पत्नी से फिर से अपना प्रेम दिखाओ, भले ही वह किसी दूसरे आदमी से प्रेम करती हो, उसे किसी प्रेमी से प्रेम हो, और वह व्यभिचारिणी हो। इसलिए, पाठ आगे कहता है, जैसे प्रभु इस्राएल के लोगों से प्रेम करता है, वैसे ही वह उनसे प्रेम करता रहता है, भले ही वे दूसरे देवताओं की ओर मुड़ते हों और किशमिश की टिकियाँ पसंद करते हों। मुझे बस एक पल के लिए वहाँ रुकना है।

किशमिश केक। यह लगभग एक बेतुका सा लगता है। उन्हें कथा में डाला गया है, लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है।

याद रखें, पिछली बार हमने आपको कृषि त्रिमूर्ति के बारे में बताया था। तो, पुराने नियम के जीवन और अर्थव्यवस्था के लिए बुनियादी बात है। शराब, अनाज और तेल।

और इसलिए, किशमिश के केक, जिन्हें हम बाल पंथ से जानते हैं, बाल को चढ़ाए गए थे। वह प्रकृति का देवता है और अर्थव्यवस्था के इन बुनियादी स्टेपल में से एक है। ये सूखे अंगूर चढ़ाए गए थे।

यह कृषि देवता किशमिश के केक के माध्यम से यहाँ आता है। और इसलिए, वह इस दास उपपत्नी को खरीदने के लिए इस स्थान पर जाता है, जो भी गोमेर बन गया था। लेकिन आप यहाँ देखेंगे कि वह 15 शेकेल के लिए ऐसा करता है, जो इसका हिस्सा है।

अब, याद रखें, एक शेकेल एक औंस का चार-दसवाँ हिस्सा होता है। तो, इसे हम वस्तु विनिमय प्रणाली कहते हैं। वस्तु विनिमय।

ईसा पूर्व सातवीं शताब्दी तक, हर काम वस्तु विनिमय के माध्यम से होता था। प्राचीन दुनिया में सबसे पहले सिक्के सातवीं शताब्दी के आसपास आने लगे। एशिया माइनर क्षेत्र में रहने वाले एक समूह के माध्यम से ये सिक्के आए, जिन्हें लिडियन कहा जाता था और यूनानी लोग सिक्के बनाने में बहुत आगे थे।

अब, पुराने नियम में एक दास की सामान्य कीमत, कम से कम निर्गमन 21 के अनुसार, 30 शेकेल थी। तो, यहाँ गोमेर, उसकी खरीद मूल्य का आधा हिस्सा एक दास की कीमत का आधा है। बाकी का भुगतान कृषि उत्पादों से किया जाता है।

और ध्यान दें कि पाठ क्या कहता है: वह, वह एक होमर और एक लेथिक, एक होमर और एक लेथिक या जौ के लेथिक के लिए खरीदा जाता है। अब, हिब्रू शब्द चमोर का अर्थ है गधा। इसलिए, जब आप बाइबल में उस माप को सुनते हैं, होमर, तो आप नहीं सोचते, ओह, शास्त्रीय ग्रीक साहित्य।

आप गधे के बारे में सोचते हैं। यूनिवर्सिटी में मेरे एक प्रोफेसर डॉ. हामोरी नामक यहूदी प्रोफेसर थे, और छात्र उन्हें पसंद नहीं करते थे, इसलिए उन्होंने उनके नाम पर एक नंबर लगा दिया। होमर वह सामान है जो एक गधा उठा सकता है, शायद पाँच से छह बुशल।

यह माप के संदर्भ में अनुमानित है। और एक लेथिक आधा होमर होता है। इसलिए, अगर एक होमर का वजन, मान लीजिए, 36 या उससे ज़्यादा बुशल है और आधा होमर है, तो एक लेथिक लगभग तीन बुशल होगा।

तो, हम नौ बुशल की बात कर रहे हैं, संभवतः दस बुशल अनाज जितना कि एक गधा ढो सकता है। होमर तब जाहिर तौर पर एक गुलाम बन गया था, किसी और का था, और उसे चांदी और उपज, जौ के साथ वापस खरीदा गया था। आगे की आयतें बहुत ही संक्षिप्त रूप में इस्राएल के निर्वासन और वापसी का संकेत देती हैं।

यह कई दिनों की अवधि की बात करता है, शायद अनुशासन और परीक्षण की अवधि, जो इस्राएल पर आने वाली थी क्योंकि वे सर्वशक्तिमान के साथ अपने रिश्ते पर पुनर्विचार कर रहे थे इससे पहले कि परमेश्वर उन्हें पुनः स्थापित करे या उन्हें पूर्ण अंतरंगता में पुनः स्थापित करे। यह उनके बिना राजा या राजकुमार के रहने के बारे में बात करता है। यह 3.4 में है, इस्राएल देश के बाहर निर्वासन में रह रहा है।

उनके पास कोई नागरिक सरकार नहीं होगी। लेकिन अंततः इस अंश को मसीहाई के रूप में समझा जाना चाहिए। और इसका कारण यह है कि पद 5 में, इस परिचयात्मक आत्मकथात्मक, या कम से कम जीवनी संबंधी सामग्री में सबसे अंतिम शब्द, यह कहता है, कि अंतिम दिनों में या उसके बाद, इस्राएल के बच्चे वापस आएँगे और अपने परमेश्वर यहोवा की खोज करेंगे।

यहाँ कुछ आध्यात्मिक हो रहा है। और वे अपने राजा दाऊद की तलाश करने जा रहे हैं। यह मसीहा के लिए एक कोड वर्ड है।

याद रखें, उत्पत्ति 49 में वापस, यह वादा यहूदा के माध्यम से था, यहूदा के गोत्र से, एक शासक आएगा जिसके शासक की छड़ी गायब नहीं होगी। और याकूब के बेटे यहूदा के माध्यम से, राजसी गोत्र, जो खूबसूरती से, यरूशलेम में हदासा अस्पताल में चागल खिड़कियों में, अगर आप कभी वहाँ गए हैं, तो मार्क चागल, सबसे महान बाइबिल यहूदी कलाकार, जो बाइबिल के दृश्यों और पात्रों को चित्रित करने वाला एक कलाकार है, यहूदा को इस शाही लाल रंग में चित्रित करता है, यह रंगीन कांच की खिड़की 13 फीट ऊंची और कई फीट चौड़ी है, जो प्रत्येक जनजाति के पहलुओं को दर्शाती है। और, ज़ाहिर है, दो हाथ एक मुकुट को सहारा देते हैं, जो हमें याद दिलाता है कि शास्त्र यहूदा, राजसी वंश के बारे में क्या कहता है।

और इसलिए, डेविड के चले जाने के बाद, लगभग 1000 के बाद, और उसने अपने बेटे सुलैमान को शासन सौंप दिया, यहाँ हमारे पास डेविड रिडिविवस है, डेविड फिर से स्थापित हुआ, बहाल हुआ, डेविड वापस आ रहा है, एक डेविडिक मसीहा अगर आप चाहें तो। इसका मतलब है कि इज़राइल एक मसीहा की तलाश करने जा रहा है और भगवान, किसी तरह, डेविडिक वंश को

बहाल करने जा रहे हैं, डेविड की उस झोपड़ी को फिर से स्थापित करने जा रहे हैं, उस सुक्का को जो ढह गया था, जिसके बारे में हमने आमोस के अंत में, अध्याय 9 में पढ़ा है। अब, किसी तरह, यह तब बहाल होने जा रहा है जब मसीहाई युग आएगा। और जब यह युग चरम पर होगा, बाद के दिनों में, यह इस बात को संदर्भित करता है: भगवान का मसीहा दुनिया पर शासन करेगा, और उसके लोगों को पूरी तरह से बहाल किया जाएगा और राष्ट्रों की नज़र में, छोटे भविष्यवक्ताओं के अनुसार, सही ठहराया जाएगा।

इसलिए, अंतिम पुनर्स्थापना, या सभी पुनर्स्थापनाओं की पुनर्स्थापना, भविष्य है। एली विज़ेल ने एक बार यह मुद्दा उठाया था कि अगर यहूदी लोग अब मसीहाई दृष्टि, मसीहाई आशा पर भरोसा नहीं करते, तो यहूदियों के पास जीने के लिए कुछ नहीं होगा। एक अर्थ में, यह सच है क्योंकि यहूदी इतिहास के अंत की आशा करते हैं, और यह बहुत ही भविष्यसूचक है कि इतिहास एक स्वर्ण युग में एक महान और शानदार चरमोत्कर्ष की ओर बढ़ रहा है जो एक नवीनीकृत, पुनर्स्थापित लोगों, और शालोम, और त्ज़ेदाकाह, और मिशपत के इस मसीहाई दृष्टिकोण से जुड़ा हुआ है, जो पृथ्वी को कवर करता है, जो उस अंतिम मसीहाई शासन से जुड़ा हुआ है।

क्या इसका उद्घाटन हो चुका है? हाँ। नया नियम पढ़ें। परमेश्वर का राज्य यहाँ है, यीशु की उपस्थिति में।

किसी तरह से, उसने पाप और मृत्यु पर विजय प्राप्त करके और पुनरुत्थान के माध्यम से परमेश्वर के उस शासन और शासन की शुरुआत की, और वह अब प्रत्येक विश्वासी के हृदय में और कलीसिया में पवित्र आत्मा के माध्यम से शासन करता है। लेकिन वह शासन अभी तक पूरा नहीं हुआ है, और हमें फसह सेडर में जो याद दिलाया जाएगा वह यह है कि यहूदी और ईसाई दोनों सह-भागीदार हैं, दोनों दुनिया के उद्धार की प्रतीक्षा कर रहे हैं, क्योंकि अभी भी भूकंप हैं, अभी भी अकाल है, अभी भी महामारी है, अभी भी युद्ध हैं, अभी भी सभी प्रकार की सांसारिक अपूर्णताएँ हैं जिन्हें इस दुनिया से हटाया नहीं गया है। इसलिए, जाहिर है, उद्धार अभी भी चरम पर है और अपने अंतिम और परम अर्थ तक पहुँचाया जाना है।

और यह ईसाइयों और यहूदियों के बीच एक बहुत ही दिलचस्प संवाद है। हम हमेशा ऐसा करते हैं। ईसाई घोषणा करते हैं कि मुक्तिदाता आ गया है और दुनिया को मुक्ति मिल गई है, और उनके यहूदी दोस्त देखते हैं और कहते हैं, मुझे पैसे दिखाओ।

मुझे सबूत दिखाओ। क्या तुमने आज न्यू यॉर्क टाइम्स पढ़ा है? क्या तुमने आज सीएनएन देखा है? दुनिया को मुक्ति मिल गई है। हमें अभी बहुत आगे जाना है।

और यह हमें यह याद दिलाता है कि उद्धार, जैसा कि भविष्यवक्ताओं में वर्णित है, इस धरती पर परमेश्वर के धार्मिक, सार्वभौमिक शासन से संबंधित है, जिसे हमें अभी प्राप्त करना है। और ईसाई व्यवस्था में, तब तक नहीं आएगा जब तक कि वह व्यक्तिगत रूप से, परमेश्वर का मसीहा, राष्ट्रों से शांति की बात न करे और अपने दूसरे आगमन के माध्यम से व्यक्तिगत रूप से शासन और शासन न करे। अब, हम दो युगों के ओवरलैप में रहते हैं।

अब, मैं होशे के बारे में कुछ और बातें कहना चाहता हूँ। अध्याय 4 से 13 में, यह काफी नकारात्मक है क्योंकि वह एक विश्वासघाती लोगों के बारे में बात कर रहा है। और वह इस विषय पर वापस आता रहता है, छंद दर छंद, इस्राएल के व्यभिचार के बारे में।

हाँ, वह इस्राएल के परमेश्वर के प्रति वफ़ादार नहीं थी, और होशे की भाषा का उपयोग करने के लिए वह अन्य मूर्तियों के पीछे वेश्यावृत्ति करने लगी। और उसने परमेश्वर की उपेक्षा की। होशे जिस चीज़ के बारे में बात करता रहता है, वह है हेशेल की आपकी पाठ्यपुस्तक; जब वह दा'त एलोहिम के बारे में बात करता है, तो उसे ध्यान से पढ़ें।

दा'त का मतलब है ज्ञान। दा'त एलोहिम, ईश्वर का ज्ञान। और बार-बार होशे उत्तरी राज्य के लोगों को ईश्वर के बारे में कोई ज्ञान न होने के लिए दोषी ठहराता है।

अब यहाँ फिर से, जब वह 4:1 में कहता है, देश में परमेश्वर का कोई ज्ञान नहीं है, यह सच है, और यह सच नहीं है। बौद्धिक अर्थ में, सभी प्रकार के केंद्र हैं जहाँ लोगों को इस्राएल के इतिहास की समझ और ज्ञान प्रस्तुत किया जा सकता है। लेकिन होशे का दा'त के बारे में जो मतलब है वह यह है कि दा'त शब्द यादह से आया है, जो हिब्रू क्रिया है जिसका अर्थ है जानना, जिसका उपयोग उत्पत्ति 4:1 में किया गया था, जब आदम और हव्वा एक दूसरे को यौन संबंध में जानते थे।

जानने का मतलब है किसी ऐसे व्यक्ति के साथ व्यक्तिगत, अंतरंग संबंध बनाना जो वास्तव में प्रामाणिक हो। और जब परमेश्वर कहता है कि दुनिया में परमेश्वर का कोई ज्ञान नहीं है, तो परमेश्वर के बारे में सभी प्रकार के सिद्धांत हैं, लेकिन अभ्यास नहीं, उसकी इच्छा का पालन करना, जीवन जीना। और इसलिए जब वह 6.3 में इस्राएल को प्रोत्साहित करता है, तो हमें पता होना चाहिए, हमें प्रभु परमेश्वर को जानने के लिए आगे बढ़ना चाहिए। हम परमेश्वर को जानने के लिए धर्मशास्त्र पर पाठ्यपुस्तकों का अध्ययन करने की बात नहीं कर रहे हैं।

वह जो कह रहा है वह है दात एलोहिम, ईश्वर के प्रति आज्ञाकारिता, जहाँ विश्वास और व्यवहार एक साथ चलते हैं। अब ध्यान रखें, यह पूरा विषय यह है कि पौलुस अपने पत्रों को कैसे प्रस्तुत करता है। पौलुस अपने कई पत्रों में चिंतित है।

वह विश्वासों को सामने रखता है, लेकिन फिर वह व्यवहार की ओर बढ़ता है। वह रोमियों 1-11 में धर्मसिद्धांतों को सामने रखता है। फिर वह 12-16 में आचरण करने में रुचि रखता है।

कुलुस्सियों 1 और 2 में पौलुस सिद्धांत के बारे में बात करता है, लेकिन 3 और 4 में वह कर्मों के बारे में बात करता है, कि आपको कैसे जीना चाहिए। और ये हमेशा शास्त्र में एक साथ जोड़े जाते हैं। जानकारी को एक जीवनशैली की ओर ले जाना चाहिए।

और इसलिए, हिब्रू अर्थ में ज्ञान ग्रीक अर्थ से काफी अलग है। ग्रीक अर्थ में, ज्ञान अक्सर अवधारणाओं, विचारों और सिद्धांतों पर चिंतन करना होता है। हिब्रू अर्थ में, यह किसी चीज़ को व्यक्तिगत और अंतरंग तरीके से व्यवहार में लाना है।

तो, परमेश्वर को जानने का मतलब है परमेश्वर की इच्छा के अनुसार जीना। परमेश्वर का यही ज्ञान है जिसकी देश में कमी थी। अब अध्याय 4 में, वह यहाँ बहुत ही स्पष्ट रूप से वर्णन करता है कि लोग वेश्यावृत्ति में कितने गिर गए थे।

वास्तव में, इस अध्याय में, उन्होंने दस बार इसका उल्लेख किया है। गोमेर, इस्राएल द्वारा प्रभु को आध्यात्मिक रूप से त्यागने का एक चित्र है। परमेश्वर ने सिनाई में एक अनन्य संबंध के लिए बुलाया था।

दस आज्ञाओं के अनुसार तुम केवल उसी की आराधना करोगे। लेकिन इस्राएल ने मूर्तियों के लिए परमेश्वर को त्याग दिया, जैसा कि श्लोक 10 में कहा गया है। लेकिन यहाँ इस व्यभिचार में शाब्दिक वेश्यावृत्ति भी शामिल है, जिसमें पंथ वेश्याएँ और बाल पूजा से जुड़ी अन्य चीज़ें शामिल हैं।

और यहाँ बाइबल इस बात पर ज़ोर देती है कि वेश्याएँ भी मुख मैथुन में संलग्न हैं। अब, अगर आप धर्मोपदेश देते हैं, तो आप रविवार की सुबह चर्च को इस बात से भर देंगे कि बाइबल मुख मैथुन के बारे में क्या कहती है। यह किसी और चीज़ के लिए नहीं आएगा।

लेकिन इसका उल्लेख यहाँ किया गया है, और इसका उल्लेख नीतिवचन की पुस्तक में किया गया है, और यह इस संदर्भ में वेश्यावृत्ति से जुड़ा हुआ है। इसलिए, पूरी भूमि बालवाद को दे दी गई थी, और पूरी भूमि मूर्तिपूजक पूजा में खुद को वेश्या बना रही थी, जिसमें ये मंदिर भी शामिल थे, और इसलिए भगवान को बहुत हो गया था। हाँ, यह श्लोक 10 में है, मौखिक सेक्स।

यह वही है जो वेश्याएँ करती हैं। मुझे लगता है कि वह यहाँ यह बता रहा है कि वेश्याएँ कैसे काम करती हैं। कनानियों के राज्य में, भूमि पंथिक वेश्याओं से भरी हुई है।

वे विवाह के भीतर वफ़ादार प्रतिबद्धता के बाहर सभी प्रकार की अवैध यौन गतिविधियों में शामिल हैं, जिसे परमेश्वर ने मूसा के समय से लेकर अब तक कहा है। हाँ? मुझे नहीं लगता कि बाइबल इस बारे में विशेष रूप से बात करती है। मुझे नहीं लगता कि यह इसे मना करती है।

मुझे नहीं लगता कि यह विशेष रूप से इसके बारे में बात करता है। यहाँ, यह इसके बारे में नकारात्मक बात कर रहा है क्योंकि यह विभिन्न प्रकार की चीज़ों में से एक है... एक वेश्या का जीवन। आप एक वेश्या का पीछा करते हैं, और यह बाइबिल के अनुसार एक वेश्या के तौर-तरीकों का हिस्सा है।

आपको नीतिवचन 30, श्लोक 20 में भी यही भाषा मिलती है। मैंने इसे पढ़ा। व्यभिचारिणी का यही तरीका है।

वह खाती है और अपना मुंह पोंछती है और कहती है, मैंने कोई गलत काम नहीं किया है। अब, अपनी बेहतर टिप्पणियाँ निकालो, और वे तुम्हें बता देंगे कि इसका क्या मतलब है। मैंने कोई गलत काम नहीं किया है।

फिर से, यह एक अलग दुनिया है। यह वाचा की वफ़ादारी के संदर्भ में नहीं है। और जहाँ तक इसकी बात है, मेरी जानकारी के अनुसार, बाइबल इसके सही या गलत होने के बारे में नहीं बताती है।

इसलिए, यह किसी भी तरह का निर्णय नहीं सुनाता। यह जरूरी नहीं कि गलत ही हो। आप चुप रहने या कुछ न करने के तर्क से बहुत कुछ सीख सकते हैं।

अध्याय 4 की 15वीं आयत में लिखा है, "यद्यपि तू वेश्यावृत्ति करती है, हे इस्राएल, परन्तु यहूदा को दोषी न बनने दे, गिलगाल में प्रवेश न कर, और न बेथ-एवोन को जा। बेथ-एवोन। बेथ-एल, परमेश्वर का घर।"

बेथ-एवन, अधर्म का घर। यहाँ एक छोटा सा व्यंग्य चल रहा है। एवन पाप के लिए हिब्रू शब्दों में से एक है।

इसका सही अर्थ है मुड़ जाना या मुड़े हुए प्रेटज़ेल की तरह विकृत हो जाना। आप परमेश्वर की सीधी-सादी बातों से आकार से बाहर हो गए हैं।

तो, यह अधर्म का घर बेथेल के लिए एक व्यंजना है। बेथ-एवन मत जाओ। यह मेरी आपको चेतावनी देने जैसा होगा: कृपया इस रविवार को पाखंडियों के घर मत जाओ।

अध्याय 5 में, यहाँ कुछ और रोचक बातें बताई गई हैं। अध्याय 5 की आयत 14 में, ध्यान दें कि कैसे परमेश्वर की तुलना शेर से की गई है। मैं एप्रैम के लिए शेर की तरह और यहूदा के घराने के लिए जवान शेर की तरह बनूँगा।

मैं भी, मैं फाड़कर चला जाऊँगा, मैं ले जाऊँगा और कोई भी मुझे बचा नहीं पाएगा। यह कुछ ऐसा लगता है जैसे अमोस ने कहा होगा। यह आकृति प्रकृति के दायरे से ली गई है।

और इसलिए परमेश्वर अपने शिकार को ले जाने जा रहा है। वह उत्तरी राज्य को ले जाने जा रहा है, और 586 तक वह दक्षिणी राज्य को भी ले जाएगा। आप सभी, मुझे आशा है कि आप अपने जीवन में कभी न कभी इज़राइल की यात्रा करेंगे।

यह बहुत दिलचस्प है कि आधुनिक इज़राइल बाइबल से इतना कुछ कैसे लेता है। उदाहरण के लिए, पर्यटन विभाग के पास एक डिकल है, और यह इसे संख्याओं की पुस्तक से लेता है। और यह जोशुआ और कालेब की एक तस्वीर है जो एक डंडे के साथ एक एशकोल, अंगूर, फलों का एक गुच्छा लेकर वादा किए गए देश से वापस आ रहे हैं।

वे जासूस थे। इसलिए आइए, इसराइल को देखें। यह दूध और शहद की भूमि है।

आइए इसे देखें। जब इज़राइल को अपनी राष्ट्रीय एयरलाइन के लिए नाम तय करना था, तो उसने तय किया कि वह अपनी एयरलाइन का नाम जानने के लिए होशे की किताब का सहारा लेगा। बेशक, यह एलएल है।

विदेशी लोगों के लिए एयरलाइन का यह नाम थोड़ा अजीब लगता है। मेरा मतलब है, स्विस् एयर समझ में आता है, ब्रिटिश एयर समझ में आता है, लेकिन एलएल? यह क्या है? खैर, होश में दो जगह हैं जहाँ एलएल का उल्लेख है। एक 7.16 में है, और दूसरा 11.7 में है। एल शब्द, बेशक, भगवान का संक्षिप्त रूप है, जैसे बेथ एल, डैनियल और जोएल में।

तो, एलएल, इसका सही मतलब यह है कि यह एक संज्ञा है। इसका मतलब है ताकतवर, मजबूत। और अल हिब्रू में एक पूर्वसर्ग और संज्ञा दोनों है।

अल संज्ञा भी हो सकता है, और इसका मतलब है ऊपर या जो ऊंचा है। तो, एलएल, इसका आरएसवी में अनुवाद कैसे किया जाता है? इसका अनुवाद सबसे ऊंचा है। वे एलएल, सबसे ऊंचे की ओर नहीं मुड़ते।

तो, AI का मतलब है ऊपर या ऊँचा, और यही वह है जो हवाई जहाज़ों से अपेक्षित है। और AI का मतलब है मजबूत, शक्तिशाली, सबसे ज़्यादा, सबसे ऊँचा। तो, यह सबसे ऊँची एयरलाइन है।

और बाइबल में इसे बड़े अक्षरों में क्यों लिखा गया है? इसलिए नहीं कि यह किसी एयरलाइन का नाम है, बल्कि इसलिए कि ऐतिहासिक रूप से ईएल इसराइल के लोगों के ईश्वर का नाम है। वे सर्वोच्च की ओर नहीं मुड़ते। और इसी वजह से, उन्हें समस्याएँ हैं।

और इसलिए, भविष्यवक्ता उन्हें बुलाता है। 11 :7 में, यह कहता है, भले ही वे सर्वोच्च को पुकारें, भले ही वे एलएल को पुकारें, वह किसी भी तरह से उन्हें ऊंचा नहीं करेगा। लेकिन वह कहता है, फिर से पहले व्यक्ति में बोलते हुए, मैं तुम्हें नहीं छोड़ सकता, एप्रैम।

मेरा हृदय बदल गया है। मेरी सारी करुणा जागृत हो गई है। मैं तुम्हें नहीं छोड़ सकता।

यहाँ कुछ सबसे गर्म और सबसे कोमल भावनाएँ हैं जो परमेश्वर अपने लोगों के प्रति रखता है, यहाँ तक कि उनके धर्मत्याग के बीच भी। वह उन्हें अपने प्यार का भरोसा दिलाता है और कहता है कि उसने उन्हें जाने नहीं दिया है। बाइबल में मानवरूपवाद में से एक, मानवरूपवाद, मानव के अंग को परमेश्वर, परमेश्वर की आँखों, परमेश्वर के कानों, परमेश्वर की भुजा के लिए जिम्मेदार ठहराना, यह एक मानवरूपवाद है।

मानव-विरोधवाद, जिसके बारे में हेशेल आपकी पाठ्यपुस्तक में बात करते हैं, ईश्वर को मानवीय भावनाओं और संवेदनाओं का श्रेय देता है। 8.5 में, ईश्वर कहते हैं, मेरा क्रोध उनके विरुद्ध जलता है। आम तौर पर, हिब्रू में, जब आप क्रोध व्यक्त करते हैं तो इसका मतलब है कि नथुने लाल हो जाते हैं या गर्म हो जाते हैं।

नाक में जलन होना अंग्रेजी में आमतौर पर किसी के गुस्से का प्रतीक होता है। शायद यह सेमिटिक दुनिया से आया है, जहाँ आप नाक से खरटि लेते थे। जब आप परेशान होते हैं, तो शायद घोड़े की तरह।

तो, यहाँ भगवान को एक पनाइम के साथ दर्शाया गया है, एक दोहरी नाक के साथ, जैसे आप और मैं। हिब्रू में यह दोहरी नाक है। और जब उसकी दो भागों वाली नाक, साँस लेने के लिए दो छेद, गर्म हो जाती है, लाल हो जाती है, तो यह क्रोध के बराबर है।

आप यहाँ संदर्भ पर गौर करें, जो उसे परेशान करता है। यह सामरिया का बछड़ा है। यहाँ हम मिस्र की याद ताजा कर रहे हैं।

यहाँ हम हैं। रब्बियों के अनुसार, इस्राएल के इतिहास में सबसे बड़ा पाप सोने का बछड़ा था। मिस्र से बाहर आने के कुछ ही समय बाद, सोने के बछड़े का प्रकरण हुआ। और इसलिए वह कहता है कि सामरिया का बछड़ा टुकड़ों में टूट जाएगा।

भविष्यवक्ताओं के लिए सबसे गहरा पाखंड अपनी पहचान खोना था। और होशे की इस पर टिप्पणियाँ। 8:8 में इस्राएल को राष्ट्रों के बीच निगल लिया गया। राष्ट्रों की तरह बनना सबसे गहरा पाखंड था।

और जब आप इस कनानी दुनिया के बीच अपनी पहचान खो देते हैं, तो यह आपको प्रकृति की पूजा करने वाला बना देता है, और आपके पारिवारिक जीवन की अखंडता को खो देता है, और आपकी सभी आर्थिक और पारिवारिक आवश्यकताओं को बाल के लिए जिम्मेदार ठहराता है, तो आप इसे खो देते हैं। आप निगल लिए गए हैं। आत्मसात करना पूरे इतिहास में ईश्वर के लोगों के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है।

और वह नाजुक संतुलन, कैसे दुनिया में रहें पर दुनिया के न हों। मिस्र लौट जाएँगे। एप्रैम मिस्र लौट जाएगा।

उत्तरी राज्य, मिस्र, फिर से निर्वासन का कोड शब्द है। फिर से गुलामी। गुलामी का प्रतीक।

इसलिए, हम हमेशा बाइबल की शाब्दिक व्याख्या नहीं करते। इस तर्क में कभी न फँसें। क्या आप बाइबल को शाब्दिक रूप से लेते हैं? शाब्दिक रूप से, इसका उत्तर कभी-कभी होना चाहिए।

मैंने इसे इसके साहित्यिक प्रकार के अनुसार पढ़ा। और यहाँ एक अलंकार है। एप्रैम वापस जा रहा है, शाब्दिक मिस्र नहीं, बल्कि मिस्र असीरियन कैद के लिए प्रतीकात्मक है।

10-12 में, हमारे पास एक दिलचस्प चिन्हित पाठ है। आप यह भी मान सकते हैं कि उस पाठ का उपयोग धर्मोपदेश के पाठ के रूप में किया जा सकता है। यह संभवतः होशे की तरह ही सुसमाचार-प्रचार जैसा लगता है।

फिर से, वह बाहरी जीवन के बारे में बात कर रहा है। वह कहता है, अपने लिए धार्मिकता बोओ, हेसेड का फल काटो, अपनी परती भूमि को जोतो, क्योंकि यह प्रभु को खोजने का समय है ताकि वह आए और तुम पर उद्धार की वर्षा करे।

यहाँ प्रकृति से जुड़े सभी व्यंग्यों पर ध्यान दें। बुवाई, कटाई, बंजर भूमि को जोतने के सभी नाटक, ताकि ईश्वर आप पर मोक्ष की वर्षा करे। सभी आकृतियाँ मिट्टी और प्रकृति से ली गई हैं।

दिलचस्प बात यह है कि यह फिर से संपर्क का बिंदु है। वह वहीं से शुरू करता है जहां लोग सोच रहे हैं। वे बैल पूजा में इतने डूबे हुए हैं कि प्रकृति ही उनका भगवान है।

अब वह संपर्क का वह बिंदु बनाता है, और वह इसे आध्यात्मिक रूप में बदल देता है। धार्मिकता, दृढ़ प्रेम, परमेश्वर से उसका उद्धार पाने की खोज।

11:1 में कुछ अन्य बिंदु, मेरे एक आरंभिक व्याख्यान में, बिंदु भविष्यवाणी में जर्मन था, या एक भविष्यवाणी जिसकी पूर्ति नए नियम में होने वाली है। जब इस्राएल एक बच्चा था, तो मैंने उससे प्रेम किया और मिस्र से मैंने अपने बेटे को बुलाया। खैर, यह परमेश्वर का पहला पुत्र था जिसे परमेश्वर ने मिस्र से बाहर निकाला था।

लेकिन मत्ती 2.15 में पवित्र आत्मा की प्रेरणा के तहत, हम सभी उस अंश को जानते हैं जहाँ परमेश्वर कहता है, मैंने अपने बेटे को मिस्र से बुलाया है। और पूरा करने का यह विचार अक्सर एक व्यापक विषय या विचार को दर्शाता है या संकेत देता है। यह किसी विशिष्ट संदर्भ का संदर्भ नहीं है, न ही कोई प्रमाण पाठ है।

इसलिए, प्राथमिक या स्पष्ट अर्थ नहीं, बल्कि मूल विचार के साथ जुड़ाव के माध्यम से एक अधिक अंतर्निहित अर्थ को व्यक्त करना। मूल विचार क्या है? मिस्र से मुक्ति, मिस्र से बाहर आना। यह निश्चित रूप से राष्ट्र के लिए सच था।

यही कारण है कि पासओवर लगभग 3,500 वर्षों से मनाया जाता रहा है। लेकिन इसका अर्थ यहीं समाप्त नहीं होता। अब जब इस घटना का उल्लेख किया जा रहा है, तो इसका अर्थ और भी गहरा हो जाएगा।

और यह एक तरह से दूसरे पलायन का संकेत देता है। जहाँ धर्मग्रंथों का सबसे महत्वपूर्ण पात्र, ईश्वर का अपना प्रिय अद्वितीय पुत्र, सोन फिल्स यूनिक, मिस्र से बाहर लाया जाता है, हालाँकि मासूमों के नरसंहार के समय वह कुछ साल का एक छोटा बच्चा था।

इसलिए, मैथ्यू के सुसमाचार में हम जो व्यापक अर्थ पढ़ते हैं, वह बहुत दिलचस्प है क्योंकि यह पूरी कहानी एक तरह के बड़े पलायन के बारे में है। क्योंकि जो कुछ भी खुद परमेश्वर के पुत्र से जुड़ा है वह महान है। इसलिए, मैथ्यू ने मिस्र से बाहर आने वाले यीशु में इस्राएल के इतिहास को फिर से देखा।

यह एक तरह की टाइपोलॉजी है जहाँ वह इस पाठ का उपयोग उस तरह से करता है जैसा शायद हम नहीं करते। लेकिन इससे एक गहरा महत्व मिलता है। होशे को पुराने नियम के इतिहास के बारे में थोड़ा बहुत पता है।

आप अध्याय 12, श्लोक 3 में देखेंगे, वह याकूब और एसाव के बारे में बात करता है। और गर्भ में, उसने अपने भाई की एड़ी पकड़ी, और वयस्क होने पर, उसने परमेश्वर के साथ संघर्ष किया। फिर से, यह परमेश्वर के साथ कुशती, संघर्ष और प्रयास पर व्यंग्य है।

याकूब यब्बोक में, उत्पत्ति 32. उसने स्वर्गदूत से संघर्ष किया और जीत हासिल की. याकूब बेतेल में परमेश्वर से मिला, और इसी तरह.

इसलिए, वह कुलपिताओं के इतिहास का हवाला देता है। और यहाँ तक कि मूसा का भी उल्लेख करता है, 12, 13. एक भविष्यद्वक्ता के द्वारा, प्रभु ने इस्राएल को मिस्र से बाहर निकाला।

ज्यादातर ईसाई मूसा को पैगम्बर नहीं मानते। लेकिन बाइबल के अनुसार, वह पुराने नियम का सबसे महान पैगम्बर है। एक पैगम्बर के ज़रिए, प्रभु ने इस्राएल को मिस्र से बाहर निकाला।

एक या दो अंतिम टिप्पणियाँ। जब पौलुस पुनरुत्थान पर अपना लोकस क्लासिकस देता है, जो पुनरुत्थान पर पवित्रशास्त्र में पाया जाने वाला उसका सबसे बड़ा भाषण है, 1 कुरिन्थियों, अध्याय 15 में, पौलुस होशे की पुस्तक में अध्याय 13, पद 14 में झाँकता है। हे मृत्यु, तेरी विपत्तियाँ कहाँ हैं? हे कब्र, तेरा विनाश कहाँ है? और यहाँ हम पाते हैं कि पौलुस 1 कुरिन्थियों 15, 55 में 13, 14 से इस विशेष अंश को उद्धृत करता है।

पॉल के लिए, मृत्यु पर मसीही की विजय का वर्णन। यह मूल संदर्भ में इस्राएल के लिए एक वादा है। ठीक है, आप कैद में जा रहे हैं।

आप निर्वासन में जा रहे हैं। अशशूर रास्ते में है। लेकिन आपकी बहाली, मानो जन्म की तरह होगी, या मृतकों के पुनरुत्थान की तरह होगी, यहजेकेल 37 की तरह, सूखी हड्डियों की घाटी।

आप उस विशाल अशशूर राष्ट्र में पृथ्वी के राष्ट्रों के बीच मरे हुए नहीं होंगे। महामारी और अधोलोक के विनाश पर विजय प्राप्त की जाएगी। और इसलिए, यहाँ, होशे अपने लोगों की बहाली की आशा करता है, मसीह के पुनरुत्थान की नहीं।

तो, मृत्यु की हार का यह पूरा महत्व, हे अधोलोक, तुम्हारा विनाश कहाँ है? और इसी तरह। यह नए नियम की प्रतीक्षा कर रहा है। और वह जनगणना पूर्ण होगी।

अंतिम अध्याय, फिर से, संपादकीय मिठास है। अंतिम अध्याय में पश्चाताप के जवाब में सकारात्मक आशीर्वाद, क्षमा शामिल है। पश्चाताप के लिए हिब्रू शब्द क्या है? यह वापसी है।

वापस जाओ। अध्याय 12 का अंत कैसे होता है? वापस जाओ। हे इस्राएल, शूब/ शूव, अपने परमेश्वर यहोवा के पास।

प्रभु की ओर लौटो। पॉल को जैतून के पेड़ को इस्राएल के रूपक के रूप में इस्तेमाल करने का विचार कहाँ से मिला? होशे से। भजन संहिता में एक जगह है, लेकिन यहीं से उसे यह मिला।

इस्राएल की शाखाएँ और सुंदरता जैतून के पेड़ की तरह होगी। अध्याय 14, श्लोक 6। तो, तुरंत, उसके पाठकों द्वारा वह संबंध स्थापित हो जाएगा। कि इस्राएल, वास्तव में, एक जैतून का पेड़ है।

किताब का अंत इस तरह होता है: जो कोई बुद्धिमान है, वह इन बातों को समझे। जो कोई समझदार है, वह इन्हें जाने। यह कुछ ऐसा ही है जैसा आपने सुसमाचार में पढ़ा होगा।

ध्यान रखें। ध्यान से सुनने का आह्वान। अंतिम शब्द।

दा'त एलोहिम, प्रभु को जानने के लिए। होशे ने अपनी पुस्तक का अंत कैसे किया? उसे जानने में रुचि है। परमेश्वर का अनुसरण करना।

और इसलिए, पुस्तक का उपसंहार ज्ञान पर वापस आता है। जो कोई बुद्धिमान हो, वह इन बातों को जान ले। क्योंकि धर्मी लोग इन पर चलेंगे।

दूसरे शब्दों में, यही ईश्वर का ज्ञान है। आज्ञापालन करना, उसके अनुसार जीना, उसके अनुसार चलना। इसलिए, मुझे लगता है कि वह पूर्ण चक्र में आ गया है।

इस देश में ईश्वर का कोई ज्ञान नहीं है। लेकिन, जब आप वास्तव में ईश्वर को जान लेंगे, तो आप उनके बताए मार्ग पर चलेंगे। ठीक है, आज के लिए बस इतना ही।

यह डॉ. मार्व विल्सन द्वारा भविष्यवक्ताओं पर दी गई शिक्षा है। यह सत्र 16, होशे, भाग 3 है।